Padma Bhushan

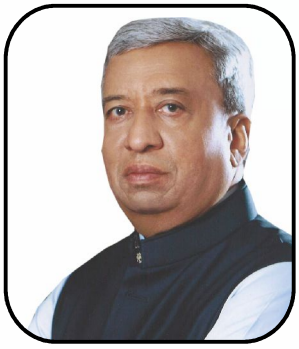

SHRI PANKAJ R. PATEL

Shri Pankaj R. Patel is the Chairman of the Board of Zydus Lifesciences Limited, an innovation led global life sciences company. Widely recognised as a stalwart, Shri Pankaj Patel has championed innovation and pioneered first-in-the-world and first-in-India medicines to treat unmet healthcare needs and contributed to India's stature as the Pharmacy of the world.

2. Born on 16th March, 1953, Shri Patel received his Masters in Pharmaceutics from the LM College of Pharmacy, Ahmedabad in 1976. Later, he completed his executive education in Management Studies from the IIM Ahmedabad and has been conferred with D.Sc. (Honoris Causa) by Dr. A.P.J. Abdul Kalam Technical University, Lucknow. A part time, non-official Director in the Central Board of the Reserve Bank of India, he is also a member of Invest India and BRICS Business Council.

3. Starting his career with Cadila Laboratories in 1976, Shri Patel became the Executive Director of the company. In 1995, he became the Managing Director of Cadila Healthcare and the Zydus Group. Under his leadership, Zydus became a global research driven pharmaceutical company with presence in 85 countries worldwide. The company became a public listed entity in 2000, and he became the Chairman of the Board. He is also the Chairman of Zydus Foundation which works in the areas of Health, Education, Innovation and Community outreach initiatives for nurturing livelihoods and sustainability. He has published a number of research papers in peer reviewed journals and is a co-inventor in several patents.

4. Shri Patel has advanced the healthcare sector combining his expertise in science, health and innovation. He holds the positions of Executive Chairman, Vice President, and Trustee at Gujarat Cancer Society and is also the Chairman of the Gujarat Cancer and Research Institute. He is the trustee of the Gujarat Cancer Society (GCS) Medical College and Hospital and the Chairman of the Gujarat Cancer and Research Institute, a Regional Cancer Centre. The Zydus Medical College & Hospital (ZMCH) in Dahod offers high- quality tertiary healthcare services to the tribal and under-served populations across Eastern Gujarat and neighbouring districts of Madhya Pradesh and Rajasthan. An institution builder, Shri Patel has fostered the growth of India's several leading academic institutions across India by serving in their boards notably, as the Chairperson of the Board of Governors at the Indian Institute of Management (IIM), Ahmedabad and Udaipur and as Chairman of the Governing Body of the Kamla Nehru Institute of Technology (KNIT), Sultanpur.

5. Shri Patel's contribution to create a blueprint for 'Innovate India' have been significant launching novel new chemical entities, biologics, vaccines to meet unmet healthcare needs. A crusader for access to affordable medicines these innovations have brought hope to millions of patients suffering chronic illnesses like cancer. India's first ever lab to market novel drug, Lipaglyn, is a critical treatment for over 15 lac patients are being treated with this drug for chronic liver diseases. Oxemia (Desidustat), a first-in-class alternative to injectable erythropoietin-stimulating agents is a boon for CKD-induced anemia patients in India. Exemplifying the 'Nation First' during the pandemic, India's first vaccine for H1N1 flu during the pandemic of 2009-10 was launched under his guidance. During the COVID pandemic, the most affordable treatments were made available to patients. World's first plasmid DNA vaccine with a plug and play technology, ZyCOV-D was shaped by his vision

6. Shri Patel is the recipient of numerous awards and honours. In 2018, the South Asian Chapter of the American College of Clinical Pharmacology honoured him with the Leadership in Drug Discovery and Development Award. He was presented with the Acharya P.C. Ray Memorial Gold Medal Award and the Eminent Pharmacist Award. The World Pharmaceutical Frontiers ranked him among the Pharma 40, recognising him as one of the world's most influential figures in healthcare. Besides this, he has received several accolades for his lifetime contributions to the Indian pharmaceutical industry.

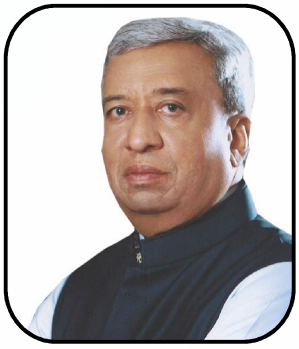

श्री पंकज आर. पटेल

श्री पंकज आर. पटेल ज़ाइडस लाइफ़साइंसेज लिमिटेड बोर्ड के अध्यक्ष हैं, जो एक नवाचार आधारित वैश्विक जीवन विज्ञान कंपनी है। एक दिग्गज के रूप में व्यापक रूप से पहचाने जाने वाले, श्री पंकज पटेल ने नवाचार को बढ़ावा दिया है और अपूरित स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं के उपचार के लिए दुनिया में पहली और भारत में पहली दवाइयों का बीड़ा उठाया है और भारत को दुनिया की फार्मेसी के रूप में स्थापित करने में योगदान दिया है।

2. 16 मार्च, 1953 को जन्मे, श्री पटेल ने वर्ष 1976 में अहमदाबाद के एलएम कॉलेज ऑफ़ फ़ार्मेसी से फ़ार्मास्यूटिक्स में मास्टर्स की डिग्री प्राप्त की। बाद में, उन्होंने आईआईएम अहमदाबाद से प्रबंधन अध्ययन में अपनी कार्यकारी शिक्षा पूरी की और उन्हें डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा डी.एससी. (मानद उपाधि) से सम्मानित किया गया। भारतीय रिज़र्व बैंक के केंद्रीय बोर्ड में अंशकालिक गैर–आधिकारिक निदेशक के अतिरिक्त, वह इन्वेस्ट इंडिया और ब्रिक्स बिजनेस काउंसिल के सदस्य भी हैं।

3. वर्ष 1976 में कैडिला लैबोरेटरीज से अपने करियर की शुरुआत करते हुए, श्री पटेल कंपनी के कार्यकारी निदेशक बने। वर्ष 1995 में, वे कैडिला हेल्थकेयर और ज़ाइडस ग्रुप के प्रबंध निदेशक बने। उनके नेतृत्व में, ज़ाइडस दुनिया भर के 85 देशों में उपस्थिति के साथ एक वैश्विक अनुसंधान संचालित दवा कंपनी बन गई। कंपनी वर्ष 2000 में एक सार्वजनिक सूचीबद्ध इकाई बन गई, और वह बोर्ड के अध्यक्ष बन गए। वह ज़ाइडस फाउंडेशन के अध्यक्ष भी हैं, जो आजीविका और सतत् विकास के संवर्धन के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, नवाचार और सामुदायिक आउटरीच पहल के क्षेत्रों में काम करता है। उन्होंने पीयर–रिव्यूड जर्नल्स में कई शोध पत्र प्रकाशित किए हैं और वह कई पेटेंट में सह–आविष्कारक हैं।

4. श्री पटेल ने विज्ञान, स्वास्थ्य और नवाचार में अपनी विशेषज्ञता का योगदान देते हुए स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को आगे बढ़ाया है। वह गुजरात कैंसर सोसाइटी में कार्यकारी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और ट्रस्टी के पदों पर कार्यरत हैं और गुजरात कैंसर और अनुसंधान संस्थान के अध्यक्ष भी हैं। वह गुजरात कैंसर सोसाइटी (जीसीएस) मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के ट्रस्टी हैं तथा गुजरात कैंसर एवं अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय कैंसर केंद्र के अध्यक्ष हैं। दाहोद स्थित ज़ाइडस मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जेडएमसीएच) पूर्वी गुजरात तथा मध्य प्रदेश और राजस्थान के पड़ोसी जिलों में जनजातीय और वंचित आबादी को उच्च गुणवत्ता वाली तृतीयक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है। एक संस्था निर्माता के रूप में, श्री पटेल ने भारत भर में देश के कई अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों विशेष रूप से भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), अहमदाबाद और उदयपुर में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष के रूप में तथा कमला नेहरू प्रौद्योगिकी संस्थान (केएनआईटी), सुल्तानपुर के शासी निकाय के अध्यक्ष के रूप में उनके बोर्ड में कार्य करके उनके विकास में बढ़ावा दिया है।

5. 'इनोवेट इंडिया' के लिए खाका तैयार करने में श्री पटेल का योगदान महत्वपूर्ण रहा है, जिसमें अपूरित स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नई रासायनिक इकाइयाँ, जैविक पदार्थ, टीके लॉन्च करना शामिल है। सस्ती दवाओं तक पहुँच के लिए एक योद्धा के रूप में इन नवाचारों ने कैंसर जैसी पुरानी बीमारियों से पीड़ित लाखों रोगियों के लिए आशा जगाई है। इनोवेटिव इंडिया गंभीर यकृत रोगों से पीड़ित 15 लाख से अधिक रोगियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपचार नई दवा, लिपाग्लिन को पहली बार बाजार में लाने वाली भारत की पहली प्रयोगशाला है। ऑक्सीमिया (डेसिडुस्टैट), इंजेक्टेबल एरिथ्रोपोइटिन–उत्तेजक एजेंटों के लिए एक प्रथम श्रेणी का विकल्प है, जो भारत में सीकेडी–प्रेरित एनीमिया रोगियों के लिए एक वरदान है। महामारी के दौरान 'राष्ट्र प्रथम' का उदाहरण देते हुए, वर्ष 2009–10 की महामारी के दौरान एच1एन1 फ्लू के लिए भारत का पहला टीका उनके मार्गदर्शन में लॉन्च किया गया था। कोविड महामारी के दौरान, रोगियों को सबसे सस्ते उपचार उपलब्ध कराए गए। प्लग एंड प्ले तकनीक वाली दुनिया की पहली प्लास्मिड डीएनए वैक्सीन, जेडवाईसीओवी–डी को उनके विजन द्वारा आकार दिया गया था।

6. श्री पटेल कई पुरस्कारों और सम्मानों के प्राप्तकर्ता हैं। वर्ष 2018 में, अमेरिकन कॉलेज ऑफ क्लिनिकल फार्माकोलॉजी के दक्षिण एशियाई विभाग ने उन्हें ड्रग डिस्कवरी एंड डेवलपमेंट अवार्ड में नेतृत्व से सम्मानित किया। उन्हें आचार्य पी.सी. रे मेमोरियल गोल्ड मेडल अवार्ड और प्रख्यात फार्मासिस्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया। वर्ल्ड फार्मास्युटिकल फ्रंटियर्स ने उन्हें फार्मा 40 में स्थान दिया, जिससे उन्हें स्वास्थ्य सेवा में दुनिया के सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों में से एक के रूप में मान्यता मिली। इसके अतिरिक्त, उन्हें भारतीय दवा उद्योग में उनके आजीवन योगदान के लिए कई पुरस्कार मिले हैं।